Journal DOI :10.21276/2454-9916

E-ISSN No : 2454-9916

Impact Factor : 8.275

IERJ

INTERNATIONAL EDUCATION AND RESEARCH JOURNAL

Peer Reviewed & Referred International Journal

Indexed with International ISSN Directory, Paris

Journal for All Subjects

Volume : 11 | Issue : 6 | June 2025

www.ierj.in

KORYFI GROUP OF MEDIA & PUBLICATIONS

INDEX

No.	Title	Page No.
1.	**HAZARDOUS EFFECTS OF CLIMATE CHANGE ON HUMANITY WITH REFERENCE TO WAYANAD** - Dr K V Suji	01-02
2.	बैगा जनजाति में सामाजिक-आर्थिक गतिशीलताः एक भौगोलिक अध्ययन - डॉ. देवेन्द्रधर द्विवेदी, तामेश्वरी	03-05
3.	**"A STUDY OF ACHIEVEMENT MOTIVATION OF STUDENT'S STUDYING IN GOVERNMENT AND PRIVATE COLLEGES"** - Dr. Shikha Saxena	06-09
4.	**LEARNING STYLES AMONG THE TRIBAL UNDERGRADUATE STUDENTS IN RELATION TO SELF-EFFICACY** - Ujjwal Mahato, Dr. Udayan Mandal	10-13
5.	भारत-पाक सीमा पर आतंकवाद की भूमिका और उसका राजनीतिक प्रभाव - डॉ. योगेन्द्र कुमार धुर्वे, मिथिलेश	14-16
6.	भारतीय ज्ञान परंपरा में दार्शनिक पहलू - डॉ. हरीश कुमार सिंह	17-19
7.	**ASSESSMENT OF THE IMPACT OF PRE GUNOTSAV EVALUATION ON THE APPREHENSION OF THE STUDENTS- AN INITIATIVE OF CELEBRATION OF QUALITY IN DIBRUGARH DISTRICT, ASSAM** - Silpi Sikha Borah	20-24
8.	**ASSESSMENT AND EVALUATION REFORMS IN RESHAPING THE HIGHER EDUCATION INSTITUTES -NEP 2020** - Dr. Shaik Fathima	25-36
9.	**THE PROXIMITY OF MUTUAL FUNDS DURING ECONOMIC GROWTH** - Dr. Ratheesh K. Nair, Dr. Abdul Salam K.	37-46
10.	**GEOPOLITICAL CALCULATIONS, COLONIAL SEPARATIST POLITICS AND NATION-BUILDING IN SYRIA** - Dr Tsupokyemla	47-54
11.	**CORRELATION BETWEEN SKAND GRAHA AND CEREBRAL PALSY-A REVIEW:** - Dr. Vishnu G. Sonune	55-57
12.	समावेशी शिक्षा प्रणाली में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग - डॉ. रश्मि पण्ड्या	58-60
13.	**BEYOND THE INDIVIDUAL MIND: A REVIEW OF SOCIO-CULTURAL THEORIES UNDERPINNING COLLECTIVE COGNITION IN EDUCATION** - Aarushi Mishra	61-63
14.	"ऑनलाइन शिक्षा की उपलब्धता" - श्रीमती नूतन चौहान, प्रो. कमला वशिष्ठ	64-67
15.	**THE REVIEW OF THE ARMED FORCES (SPECIAL POWERS) ACT, 1958 WITH SPECIAL REFERENCE TO MANIPUR** - Dr M Ramanjaneyulu	68-72
16.	**SOCIO-ECONOMIC IMPACT OF MIGRATION IN KARNATAKA: A COMPREHENSIVE ANALYSIS** - Dr. Honnappa S, Parvatemma	73-74
17.	**EXPLORING THE IMPACT OF DIGITAL MARKETING ON CONSUMERS' PURCHASE DECISIONS AND LIFE SATISFACTION IN THE LUXURY BRAND SECTOR** - Dr. Danish Khan, Mr. Tapan Pandit, Dr. Gagan Mittal	75-80

Research Paper | Political Sci. | E-ISSN No : 2454-9916 | Volume : 11 | Issue : 6 | June 2025

भारत–पाक सीमा पर आतंकवाद की भूमिका और उसका राजनीतिक प्रभाव

डॉ. योगेन्द्र कुमार धुर्वे[1], मिथिलेश[2]

[1] सहायक प्राध्यापक, स्व. डारन बाई तारम शास.महाविद्यालय गुरुर, जिला बालोद (छ.ग.)

[2] अतिथि व्याख्याता–राजनीति विज्ञान

ABSTRACT

भारत और पाकिस्तान के बीच दशको से चले आ रहे तनावपूर्ण संबंधो में सीमा पार आतंकवाद एक केन्द्रीय और निर्णायक भूमिका निभाता है। प्रस्तुत शोध पत्र में भारत–पाक सीमा पर आतंकवाद की उत्पत्ति, उसका क्रमिक विकास तथा उसके व्यापक राजनीतिक प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। इसमें विशेष रुप से मुंबई हमला (2008), उरी हमला (2016) और पुलवामा हमला (2019) जैसे प्रमुख आंतकी घटनाओं का संदर्भ देकर यह स्पष्ट किया गया है। कि इन घटनाओं ने न केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधो को बाधित किया है, बल्कि भारत की आंतरिक राजनीति, राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति और अन्तर्राष्ट्रीय कुटनीतिक स्थिति पर गहरा प्रभाव डाला है। इस शोध से यह भी स्पष्ट होता है कि आतंकवादी घटनाओं के बाद भारत–पाकिस्तान के बीच वार्ताएं बार–बार टूटती रही हैं, जिससे शांति प्रक्रिया को गंभीर क्षति पहुँची है। इसके साथ ही, ऐसे हमलों के पश्चात् जनमानस में राष्ट्रवादी भावना में तीव्र वृद्धि देखी जाती है, जो भारत की घरेलू राजनीति को भी प्रभावित करती है।

अंततः इस शोध का निष्कर्ष है कि जब तक सीमा पार आतंकवाद पर कठोर और प्रभावी नियंत्रण स्थापित नहीं किया जाता, तब तक भारत–पाक संबंधों में स्थिरता एवं शांति की आशा करना अत्यंत कठिन है।

KEYWORDS: सीमा पार आतंकवाद, भारत–पाक संबंध, राजनीतिक प्रभाव, आतंकी हमले, राष्ट्रीय सुरक्षा

प्रस्तावना

भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधो का इतिहास संघर्ष, अविश्वास और टकराव की लंबी श्रृंखला से भरा हुआ है। 1947 में भारत का विभाजन और पाकिस्तान का निर्माण एक ऐतिहासिक मोड़ था, जिसने उपमहाद्वीप की राजनीति की दिशा ही बदल दी। विभाजन के समय से ही दोनों देशों के बीच संबंधो में तनाव बना रहा, जिसमें कश्मीर का मुद्दा प्रमुख कारण रहा है। इन संबंधों को और अधिक जटिल बनाने वाला एक अत्यंत गंभीर पहलू है। सीमा पार आतंकवाद। यह एक ऐसा तत्व है जिसने न केवल द्विपक्षीय रिश्तों को प्रभावित किया है, बल्कि दोनों देशों की अंदरुनी राजनीति, सुरक्षा रणनीति और अंतर्राष्ट्रीय छवि पर भी गहरा प्रभाव डाला है। बीते दशकों में भारत को जिन प्रमुख सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, उनमें सीमा पार आतंकवाद सबसे स्थायी और विनाशकारी रहा है। आतंकवाद की यह समस्या महज सैन्य या रणनीतिक नहीं, बल्कि एक राजनीतिक हथियार के रुप में भी उभर कर सामने आई है। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों द्वारा भारत में आतंक फैलाने की घटनाओं ने न केवल निर्दोष नागरिकों की जान ली है, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक तंत्र और नीति–निर्धारण प्रक्रियाओं पर भी गहरा असर डाला है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और आंतकवाद का उद्भवः

भारत और पाकिस्तान के बीच चार युद्ध (1947, 1965, 1971 और 1999) और अनेक सैन्य संघर्ष हुए है। परंतु 1980 और 1990 के दशक से संघर्ष का स्वरुप बदलने लगा–पारंपरिक युद्ध की बजाय आतंकवाद को एक अप्रत्यक्ष युद्धनीति के रुप में अपनाया गया। कश्मीर घाटी में अलगाववाद और उग्रवाद की पृष्ठभूमि में आतंकवाद को खाद–पानी मिला। पाकिस्तान के समर्थन वाले आंतकी संगठनों जैसे लश्कर–ए–तैयबा, जैश–ए–मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन ने भारतीय क्षेत्रों में हमले शुरु किए, जिनका उद्देश्य केवल आतंक फैलाना नही, बल्कि भारत की राजनीतिक स्थिरता को चुनौती देना भी था। इन संगठनों को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. से प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन मिलने के आरोप दशकों से लगते आए है। यह समर्थन हथियारो–वित्तीय संसाधनों और प्रशिक्षण के रुप में होता रहा है। इसके परिणाम स्वरुप, भारत ने बार–बार अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर पाकिस्तान को एक आतंकवाद प्रायोजक राष्ट्र घोषित करने की मांग की है।

साहित्य समीक्षाः

1. India and Pakistan :- The Cost of Conflict"- Institute of Peace and Conflict Studies (IPCS), New Delhi इस अध्ययन में बताया गया है कि भारत–पाक संघर्ष का सबसे अधिक प्रभाव सीमावर्ती क्षेत्रों और वहां की जनता पर पड़ता है। विशेष रुप से सीमा पार आतंकवाद ने सुरक्षा खर्च को बढ़ाया है और दोनों देशों की राजनीतिक स्थिरता को चुनौती दी है।

1. Cross-Border Terrorism : Impact on India-Pakistan Relations"- Dr. R.K. Sharma, International Journal of Political Science, 2018 इस शोध में आतंकवाद को भारत–पाक संबंधो में सबसे बड़ी बाधा

Copyright© 2025, IERJ. This open-access article is published under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License which permits Share (copy and redistribute the material in any medium or format) and Adapt (remix, transform, and build upon the material) under the Attribution-NonCommercial terms.

बताया गया है। लेखक के अनुसार, 2001 संसद हमला, 2008 मुंबई हमला और 2016 उरी हमता जैसे आतंकी घटनाओं ने भारत की राजनीतिक रणनीति को आक्रामक बनाया है।

अनुसंधान विधि (Research Method):
इस शोध पत्र में गुणात्मक (Qualitative) अनुसंधान पद्धति का प्रयोग किया गया है। इसमें निम्नलिखित विधियों को अपनाया गया।

1. साहित्य समीक्षाः पूर्व प्रकाशित शोध लेख, समाचार रिपोर्ट, सरकारी दस्तावेज और अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट्स का अध्ययन किया गया।
2. मामला अध्ययनः प्रमुख आतंकवादी घटनाओं जैसे 2008 मुंबई हमला, 2016 उरी हमला, और 2019 पुलवामा हमले का विश्लेषण किया गया ताकि उनके राजनीतिक प्रभावों का मूल्यांकन हो सके।
3. माध्यम विश्लेषणः समाचार पत्र, टीवी चैनल और सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से यह समझने का प्रयास किया गया कि आतंकवाद ने जनभावना और राजनीति को किस प्रकार प्रभावित किया।

भारत-पाक सीमा पर आतंकवाद की भूमिकाः
भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनावपूर्ण सबंधों में आतंकवाद ने एक निर्णायक भूमिका निभाई है। यह केवल एक सुरक्षा संकट नहीं, बल्कि एक रणनीतिक उपकरण बन चुका है, जिसका प्रयोग भारत को अस्थिर करने, उसकी सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देने और राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न करने के उद्देश्य से किया गया है। विशेष रुप से पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, राजनीति, अंतर्राष्ट्रीय छवि, और जन मानस पर गहरा प्रभाव डाला है।

1947 में भारत–विभाजन के बाद से ही दोनों देशों के संबंधों में अविश्वास बना रहा है। हालांकि सीमाओं पर सैन्य टकराव पहले से होते रहे है, लेकिन 1980 और 1990 के दशक में आतंकवाद एक प्रमुख रणनीतिक माध्यम बनकर उभरा। कश्मीर घाटी में उग्रवाद की शरुआत और पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों जैसे लश्कर–ए–तैयबा, जैश–ए–मोहम्मद, और हिज्बुल मुजाहिदीन की बढ़ती सक्रियता ने भारत की सुरक्षा नीति के सामने नई चुनौती खड़ी की ।

भारत पर हुए प्रमुख आतंकी हमले, जैसे हमला (2008), उरी हमला (2016), पठानकोट हमला (2016) और पुलवामा हमला (2019), इस बात के स्पष्ट प्रमाण है कि सीमा पार आतंकवाद केवल सैनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका उद्देश्य भारत की आंतरिक स्थिरता, जन–विश्वास और राजनीतिक नेतृत्व को चुनौती देना भी है। इन घटनाओं के पीछे ऐसे आतंकवादी गुट शामिल रहे है, जिन्हें भारत के अनुसार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. का प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन प्राप्त है।

इसके अलावा, भारत ने अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर भी पाकिस्तान पर आतंकवाद प्रायोजन के आरोप लगाए हैं और FATF, UN, BRICS जैसे मंचो पर लगातार आवाज उठाई है। इससे भारत की छवि एक आतंकवाद–विरोधी राष्ट्र के रुप में मजबूत हुई है, जबकि पाकिस्तान की छवि को क्षति पहुँची है।

अतः यह स्पष्ट है कि भारत–पाक सीमा पर आतंकवाद केवल एक सुरक्षा चुनौति नहीं बल्कि एक व्यापक राजनीतिक, कुटनीतिक और सामाजिक समस्या है।

भारत–पाक सीमा पर आतंकवाद का राजनीतिक प्रभावः
भारत–पाक सीमा पर आतंकवाद में दोनों देशों की राजनीति पर गहरा और बहुव्यापी प्रभाव डाला है। विशेष रुप से भारत में आतंकवादी घटनाएँ अक्सर राजनीतिक विमर्श, चुनावी रणनीति और नीति–निर्माण को प्रभावित करता है। हर बडे आंतकी हमले के बाद सरकारों पर सख्त प्रतिक्रिया देने का दबाव बढ़ता है। इससे राजनीतिक दलों के बीच राष्ट्रवाद सुरक्षा और सैन्य कार्यवाही को लेकर प्रतिस्पर्धा तेज हो जाती है।

राष्ट्रीय चुनाव में आंतकवाद एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन कर उभरा है, उदाहरण के लिए 2019 के लोकसभा चुनाव से पूर्व पुलवामा हमलें और उसके जवाब में एयर स्ट्राईक को सत्तारुढ़ सरकार द्वारा एक निर्णायक कदम के रुप में प्रस्तुत किया गया। जिसमें जनसमर्थ में इजाफा किया। इससे स्पष्ट होता है कि आंतकवाद की घटनाएँ राजनीतिक लाभ के लिए प्रयुक्त होती है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आतंकवाद के कारण भारत ने अपनी कूटनीतिक रणनीति को सख्त और सक्रिय बनाया है। भारत आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक समर्थन जुटाकर पाकिस्तान को अलग–थलग करने की कोशिश करता है, जिससे उसके विदेश नीति को एक राष्ट्रवादी दिशा मिलती है।

अतः इस प्रकार हम कह सकते है कि आतंकवाद केवल सुरक्षा का नहीं बल्कि एक राजनीतिक उपकरण बन गया है। जो भारत–पाक संबंधों के साथ–साथ दोनों देशों की आंतरिक राजनीति को भी प्रभावित करता है।

भविश्य की दिशाः

1. द्विपक्षीय संवाद की पुनः शुरुआत की जानी चाहिऐ ।
2. आतंकवाद विरोधी गतिविधियों पर सख्त कदम उठाना चाहिए।
3. आतंकवाद विरोधी अंतर्राष्ट्रीय गठजोड़ बढ़ाना चाहिए।
4. तकनीकि और खुफिया नेटवर्क का विस्तार करना चाहिए।
5. युवाओं को कट्टरपंथ से दूर रखना चाहिए ।

निष्कर्षः
भारत–पाक सीमा पर आतंकवाद केवल सुरक्षा का संकट नहीं है, बल्कि यह एक बहुआयामी चुनौती बन चुका है, जिसका गहरा राजनीतिक, कुटनीतिक, सामाजिक और रणनीतिक प्रभाव दोनों देशों पर पड़ा है। सीमा पार से होने वाले आंतकवादी हमलों ने भारत–पाक रिश्तों को न केवल स्थायी रुप से प्रभावित किया है, बल्कि इन घटनाओं ने भारत की आंतरिक राजनीति, जनमत निर्माण, रक्षानीति और अंतर्राष्ट्रीय कुटनीति को भी गहराई से आकार दिया है।

अतः स्पष्ट है कि जब तक सीमा पार आतंकवाद पर कठोर और

स्थायी नियंत्रण नहीं किया जाता तब तक दोनों देशों के बीच स्थिरता और संवाद की प्रक्रिया संभव नहीं है।

REFRENCES

1. Ashraf, M. T., Shah, A. S., & Rafique, Z. H. (2021). Impact of security issues on Pakistan-India relations: Remedies and political advantages. South Asian Journal of Economic and Social Research, 4(1), 315–323.
2. Malik, A., Kousar, S., & Javed, M. (2023). Terrorism in South Asia: Impact on Pak-Indo relations. Pakistan Social Sciences Review, 7(3), 498–508.
3. Geethanjalee, S. (2025, April 27). How terrorism fuels Indo-Pakistani rivalries. E-International Relations. Retrieved from https://www.e-ir.info/2025/04/27/how-terrorism-fuels-indo-pakistani-rivalries/
4. Mahadevan, P. (2017). India and global discourse on state-sponsored terrorism. Rising Powers Quarterly, 2(3), 185–201.
5. Ali, I., & Sidhu, J. S. (2022). Strategic dynamics of crisis stability in South Asia. Journal of Asian and African Studies, 57(1), 3–23.
6. Kalyanaraman, S. (2009). The challenge of terrorism. Seminar, 599. Retrieved from https://www.india-seminar.com/2009/599/599_s_kalyanaraman.htm
7. Byman, D. (2007). Strategy not sacrilege: State terrorism as an element of foreign policy. E-International Relations. Retrieved from https://www.e-ir.info/2017/09/18/strategy-not-sacrilege-state-terrorism-as-an-element-of-foreign-policy/
8. Malik, A. (2023). Terrorism in South Asia: Impact on Pak-Indo relations. Pakistan Social Sciences Review, 7(3), 498–508.
9. Riedel, B. (2009). The Mumbai massacre and its implications for America and South Asia. Journal of International Affairs, 63(1), 111–126.
10. Nayak, P., & Krepon, M. (2011). US crisis management in South Asia's twin peaks crisis. In Z. Davis (Ed.), The India-Pakistan Military Standoff (pp. 143–186). Springer.
11. Naveed, N. (2019). Operation Zarb-e-Azb: Retrospective view in the context of US response. Margalla Papers, Issue II, 139–147.
12. Negi, M. (2016, September 29). Surgical strikes in PoK: How Indian para commandos killed 50 terrorists, hit 7 camps. India Today. Retrieved from https://www.indiatoday.in/india/story/uri-avenged-inside-story-indian-army-surgical-strikes-pok-343995-2016-09-29
13. Paul, T. V., Morgan, P. M., & Wirtz, J. J. (2009). Complex Deterrence: Strategy in the Global Age. University of Chicago Press.
14. Gill, K. P. S. (2009). The challenge of terrorism. Seminar, 599. Retrieved from https://www.india-seminar.com/2009/599/599_s_kalyanaraman.htm
15. Tyagi, A., Field, A., Lathwal, P., Tsvetkov, Y., & Carley, K. M. (2020). A computational analysis of polarization on Indian and Pakistani social media. arXiv preprint arXiv:2005.09803.
16. Qayyum, A., Gilani, Z., Latif, S., & Qadir, J. (2018). Exploring media bias and toxicity in South Asian political discourse. arXiv preprint arXiv:1811.06693.
17. Meher, J. (2012). Strategy not sacrilege: State terrorism as an element of foreign policy. E-International Relations. Retrieved from https://www.e-ir.info/2017/09/18/strategy-not-sacrilege-state-terrorism-as-an-element-of-foreign-policy/
18. Mahadevan, P. (2017). India and the global discourse on state-sponsored terrorism. Observer Research Foundation. Retrieved from https://www.orfonline.org/english/research/india-and-the-global-discourse-on-state-sponsored-terrorism/
19. Khan, A. (2025). India and Pakistan launch rival diplomatic efforts to spin Kashmir conflict. Financial Times. Retrieved from https://www.ft.com/content/b877229c-125b-4513-a4c6-1c387f9f6821
20. Chowta, B. (2025). Proud to deliver India's message to world. The Times of India. Retrieved from https://timesofindia.indiatimes.com/city/mangaluru/proud-to-deliver-indias-message-to-world-chowta/articleshow/121345651.cms